ग्रंथानुक्रमणिका

ग्रंथानुक्रमणिका

संदर्भ ग्रंथ सूची-

(हिंदी)

सत्येंद्र (1949). *ब्रज-लोक-साहित्य का अध्ययन.* साहित्य रत्न भंडार, आगरा, प्रथम संस्करण.

परमार, श्याम (1954). *भारतीय लोक-संस्कृति.* राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, प्रथम संस्करण.

उपाध्याय, कृष्णदेव (1957). *लोक साहित्य की भूमिका.* साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण.

उपाध्याय, कृष्णदेव (1960). *भोजपुरी लोक-साहित्य का अध्ययन.* हिंदी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी, प्रथम संस्करण.

द्विवेदी, राजेंद्र (1963). *भाषाशास्त्र का पारिभाषिक शब्दकोश.* आत्माराम एंड संस, दिल्ली, प्रथम संस्करण.

वर्मा, धीरेंद्र (सं.) (1963). *हिंदी साहित्य कोश.* भाग-1, ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी, द्वितीय संस्करण.

गुप्ता, सत्या (1964). *खड़ीबोली का लोकसाहित्य.* हिंदुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण.

लाल, लक्ष्मीनारायण (1965). *रंगमंच और नाटक की भूमिका.* नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, प्रथम संस्करण.

तिवारी, भोलानाथ और श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ (सं.) (1971). *भाषिकी.* नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली, प्रथम संस्करण.

वर्मा, सत्यकाम (अनु.) (1972). *सैद्धांतिक भाषाविज्ञान.* मुंशीराम मनोहरलाल, नयी दिल्ली, प्रथम संस्करण.

सिंह, कृपाशंकर और सहाय, चतुर्भुज (1977). *आधुनिक भाषाविज्ञान.* नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली, प्रथम संस्करण.

पांडेय, त्रिलोचन (1978). *लोक साहित्य का अध्ययन.* लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण.

स्वर्णलता (1979). *लोक साहित्य विमर्श.* चंपालाल रॉका एंड कंपनी, जयपुर, प्रथम संस्करण.

तिवारी, उदयनारायण (1983). *भाषाविज्ञान का संक्षिप्त इतिहास*. भारती भंडार, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण.

जैन, महावीर सरन (1985). *भाषा एवं भाषाविज्ञान*. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण.

उपाध्याय, कृष्णदेव (1991). *भोजपुरी लोक-संस्कृति*. हिंदी साहित्य सम्मलेन, प्रयाग, प्रथम संस्करण.

उपाध्याय, कृष्णदेव (1991). *भारतीय लोक-विश्वास*. हिंदुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण.

भ्रमर, रवींद्र (1991). *लोक-साहित्य की भूमिका*. साहित्य सदन, कानपुर, प्रथम संस्करण.

श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ (1992). *भाषाई अस्मिता और हिंदी*. वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, प्रथम संस्करण.

द्विवेदी, देवीशंकर (1993). *भाषा और भाषिकी*. राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, प्रथम संस्करण.

प्रसाद, वासुदेवशरण (1993). *आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना*. भारती भवन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, पटना, तेईसवाँ संस्करण.

लाल, किशोरी (1993). *सूरदास और भ्रमरगीत*. अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण.

तिवारी, भोलानाथ और प्रियदर्शिनी, मुकुल (1999). *हिंदी भाषा की सामाजिक संरचना*. साहित्य सहकार, दिल्ली, प्रथम संस्करण.

उपाध्याय, कृष्णदेव (सं.) (2000). *भोजपुरी ग्राम-गीत*. हिंदी साहित्य सम्मलेन, प्रयाग, प्रथम संस्करण.

सांकृत्यायन, राहुल और उपाध्याय, कृष्णदेव (सं.) (2000). *हिंदी साहित्य का वृहत् इतिहास*. भाग-16, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, प्रथम संस्करण.

श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ (2002). *भाषाशास्त्र के सूत्रधार*. मयूर पेपरबैक्स, दिल्ली, प्रथम संस्करण.

सिन्हा, सच्चिदानंद (2004). *संस्कृति और समाजवाद*. वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, प्रथम संस्करण.

सत्येंद्र (2006). *लोक साहित्य विज्ञान*. राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर, राजस्थान, द्वितीय संस्करण.

श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ और सहाय, रमानाथ (सं.) (2008). *हिंदी का सामाजिक संदर्भ*. केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा, द्वितीय संस्करण.

दास, श्यामसुंदर (2010). *भाषा-रहस्य*. आशा बुक्स, दिल्ली, प्रथम संस्करण.

सिंह, दिलीप (2011). *भाषा का संसार*. वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, द्वितीय संस्करण.

तिवारी, भोलानाथ (2013). *हिंदी भाषा*. किताब महल, इलाहबाद, सत्तावनवाँ संस्करण.

शर्मा, देवेंद्रनाथ तथा शर्मा, दीप्ति (2013). *भाषाविज्ञान की भूमिका*. राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, छठा संस्करण.

वाजपेयी, किशोरी दास (2014). *भारतीय भाषाविज्ञान*. वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, तृतीय संस्करण.

उपाध्याय, कृष्णदेव (2014). *लोक संस्कृति की रूपरेखा*. लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद, प्रथम संस्करण.

नारायण, बद्री (2014). *लोक संस्कृति और इतिहास*. लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद, तीसरा संस्करण.

सिंह राठौड़, महिपाल (सं.) (2015). *लोक सांस्कृतिक परंपरा एक अनुशीलन*. राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर, राजस्थान, प्रथम संस्करण.

श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ (2015). *हिंदी भाषा का समाजशास्त्र*. राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, चतुर्थ संस्करण.

सिंह, दिलीप (सं.) (2015). *भाषा, संस्कृति और लोक*. वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, द्वितीय संस्करण.

यादव, चंद्रदेव (2015). *लोक-समाज और संस्कृति*. विद्यावती प्रकाशन, दिल्ली, प्रथम संस्करण.

अग्रवाल, मुकेश (2015). *भाषा-विज्ञान एवं हिंदी भाषा*. स्वराज प्रकाशन, नयी दिल्ली, प्रथम संस्करण.

तिवारी, भोलानाथ (2016). *हिंदी भाषा*. किताब महल, इलाहबाद, द्वितीय संस्करण.

दुबे, अभय कुमार (सं.) (2016). *समाज-विज्ञान विश्वकोश*. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, द्वितीय संस्करण.

उप्रेती, कुंदन लाल (2017). *लोकसाहित्य के प्रतिमान*. गोविंद पचौरी जवाहर पुस्तकालय, उत्तर प्रदेश, चतुर्थ संस्करण.

सचदेव, चरणजीत सिंह (2017). *हिंदी भाषा- समाज और संरचना*. अनंग प्रकाशन, दिल्ली, प्रथम संस्करण.

शर्मा, रामविलास (2017). *भाषा और समाज*. राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, ग्यारहवाँ संस्करण.

झाल्टे, दंगल (2018). *प्रयोजनमूलक हिंदी: सिद्धांत और प्रयोग*. वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, सप्तम संस्करण.

तिवारी, भोलानाथ (2018). *हिंदी भाषा की संरचना*. वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, तृतीय संस्करण.

शर्मा, सुभाष (2018). *भाषा का समाजशास्त्र*. भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली, प्रथम संस्करण.

यादव, चौथीराम (2018). *लोक और वेद आमने-सामने*. अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स (प्रा.) लिमिटेड, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण.

चौहान, विद्या (2020). *लोक साहित्य*. सरस्वती प्रकाशन, कानपुर, प्रथम संस्करण.

(असमिया)

कुर्मी, सुशील (1973). *चाह मजदूर लोकगीत*. ऑफिस ऑफ़ द जॉइंट डायरेक्टर ऑफ़ इंडस्ट्रीज, डिब्रूगढ़, असम, प्रथम संस्करण.

कुर्मी, सुशील (1983). *चाह बागीचार असमिया संप्रदाय*. असम साहित्य सभा, जोरहाट, असम, प्रथम संस्करण.

कुर्मी, सुशील (1990). *चाह बागीचार कोथा*. असम साहित्य सभा, जोरहाट, असम, द्वितीय संस्करण.

कुर्मी, गणेश चंद्र (1997). *चाह जन-जातिर किम्बदंती*. असम साहित्य सभा, जोरहाट, असम, प्रथम संस्करण.

बरुवा, प्रफुल्लचंद्र (1998). *मोई चाह पात*. असम साहित्य साहित्य सभा, गुवाहाटी, असम, प्रथम संस्करण.

कुर्मी, सुशील (1999). *चाह बागीचार जीवन आरु संस्कृति*. असम साहित्य सभा, जोरहाट, असम, प्रथम संस्करण.

गोगोई, राजेन (सं.) (2001). *चाह जनगोष्ठीर चिंता-चेतना*. असम साहित्य सभा, जोरहाट, असम, प्रथम संस्करण.

पटवारी, मंसाराम (2001). *भारतीय श्रम आंदोलन*. बसंती देवी पटवारी, डिब्रूगढ़, असम, द्वितीय संस्करण.

तासा, रेखा (2002). *चाह जनगोष्ठीय लोक-कला*. देउराम तासा शाखा साहित्य सभा, जोरहाट, असम, प्रथम संस्करण.

कुर्मी, सुशील (2003). *करम परब आरु झुमइर गीत.* असम प्रकाशन परिषद, गुवाहाटी, असम, तृतीय संस्करण.

कुर्मी, प्रकाश (2004). *प्रेमेर दधि.* असम कुर्मी साहित्य सभा, तिनसुकिया, असम, प्रथम संस्करण.

कुर्मी, प्रकाश (2004). *झिलिमिलि माड़वा.* असम कुर्मी साहित्य सभा, तिनसुकिया, असम, प्रथम संस्करण.

कुर्मी, सुशील (2007). *असमर चाह-श्रमिकर अवदान.* असम प्रकाशन परिषद, गुवाहाटी, असम, प्रथम संस्करण.

तासा, प्रह्लाद चंद्र (सं.) (2007). *संक्षिप्त चाह-कोष* .असम साहित्य सभा, जोरहाट, असम, प्रथम संस्करण.

तासा, डिम्बेश्वर (2008). *चाह मजदूर माजत प्रचलित साधूकथा.* देउराम तासा शाखा साहित्य सभा, जोरहाट, असम, द्वितीय संस्करण.

कोईरि, संजीव तथा गोगोई, जादव (सं.) (2011). *हृदयर गान.* राजहुवा आद्यश्राद्ध अभ्यर्थना समिति, डिब्रूगढ़, असम, प्रथम संस्करण.

तासा, डिम्बेश्वर (2012). *चाह जनगोष्ठीर समाज-संस्कृति.* असम प्रकाशन परिषद, गुवाहाटी, असम, प्रथम संस्करण.

गोवाला, रीता (2012). *चाह जनगोष्ठी साँथर लेसेरी बूटोली.* लाखिंदर कुर्मी, डिब्रूगढ़, असम, प्रथम संस्करण.

गोवाला, रीता (2012). *टिपसीर कांड.* मेघनी गोवाला, डिब्रूगढ़, असम, द्वितीय संस्करण.

कुर्मी, गणेश चंद्र (सं.) (2013). *देउराम तासा रचनावली.* असम साहित्य सभा, जोरहाट, असम, द्वितीय संस्करण.

कुर्मी, सुशील (2013). *चाह जनगोष्ठीर कृति पुरुषसकल.* असम प्रकाशन परिषद, गुवाहाटी, असम, प्रथम संस्करण.

महतो, हेमत कुमार (2013). *बिन्धु-बिन्धु दादा.* खुंगुर ऑफसेट, उदालगुड़ी, असम, प्रथम संस्करण.

तासा, डिम्बेश्वर (2013). *चाह जनगोष्ठीर संस्कृति.* असम प्रकाशन परिषद, गुवाहाटी, असम, प्रथम संस्करण.

पाटर, पद्म (सं.) (2013). *जनजाति समाज-संस्कृति.* रिंगचांग पब्लिकेशन, गुवाहाटी, असम, तृतीय संस्करण.

बरुआ, हिरण्यमयी (2015). *अनेक जुपुहा ढ़ौ*. स्टूडेंट्स स्टोर, गुवाहाटी, असम.

बरगोहाँई, होमेन (2015). *असमर चाह उद्योगर अकथित काहिनी*. स्टूडेंट्स स्टोर्स, गुवाहाटी, असम, तृतीय संस्करण.

अधिकारी, शुकदेव (2015). *चाह जनगोष्ठीर लोकगीत, लोक परंपरा आरु उत्सवर रूपरेखा*. सरस्वती डी.एन. पब्लिकेशन, गुवाहाटी, असम, प्रथम संस्करण.

चिक, मनमोहन (2016). *पोहर बिलाई जाँउ*. पाहि ऑफसेट प्रेस, शिवसागर, असम, प्रथम संस्करण.

राभा, मलिना देवी (2016). *असमर जनजाति आरु संस्कृति*. असम साहित्य सभा, जोरहाट, असम, द्वितीय संस्करण.

कोंवर, ज्योतिप्रसाद (सं.) (2018). *जनगोष्ठीय लोकविश्वास*. पूर्वायण प्रकाशन, गुवाहाटी, असम, द्वितीय संस्करण.

कुर्मी, सुशील (सं.) (2018). *मेघराज कर्मकार रचनावली*. असम प्रकाशन परिषद, गुवाहाटी, असम, प्रथम संस्करण.

नाग, बिश्वनाथ (सं.) (2018). *करम परब*. उद्यापन समिति, केंद्रीय करम परब सम्मलेन, डिमौ, असम, प्रथम संस्करण.

दास, अंशुमान (सं.) (2018). *असमर जनगोष्ठीय लोक-चिकत्सा* .आँक-बाँक प्रकाशन, गुवाहाटी, असम, प्रथम संस्करण.

बोरा, देवजित (सं.) (2018). *उत्तर-पूब भारतर जनगोष्ठीय उत्सव-अनुष्ठान*. एम.आर. पब्लिकेशन, गुवाहाटी, असम, द्वितीय संस्करण.

कुर्मी, सुशील (2018). *सेउजी पातर रेंगनी*. आंगिक प्रकाशन, गुवाहाटी, असम, प्रथम संस्करण.

राजोवार, बसंत (सं.) (2019). *गणेश चंद्र रचनावली*. असम चाह जनगोष्ठी साहित्य सभा, जोरहाट, असम, प्रथम संस्करण.

दास, गीतिका तथा राभा, लोहित (सं.) (2019). *असमर जनजातीय सांस्कृतिक ऐतिह्य आरु परंपरा.* पूर्वायण प्रकाशन, गुवाहाटी, असम, प्रथम संस्करण.

कुर्मी, नकुल (2019). *असमर प्रेक्षापटत चाह जनगोष्ठीर जीवन गाथा.* असम चाह जनगोष्ठी साहित्य सभा, रंगापारा, असम, द्वितीय संस्करण.

ठाकुर, मनीष (2019). *झुमइर नृत्य आरु इयार स्वरूप निर्णय.* असम चाह जनगोष्ठी साहित्य सभा, जोरहाट, असम, प्रथम संस्करण.

कुर्मी, सुशील (सं.) (2020). *नारायण घटवार रचनावली.* असम प्रकाशन परिषद, गुवाहाटी, असम, प्रथम संस्करण.

कुर्मी, नकुल (सं.) (2020). *चाह जनगोष्ठीर जाति-उपजाति.* असम चाह जनगोष्ठी साहित्य सभा, जोरहाट, असम, प्रथम संस्करण.

हाकाचाम, उपेन राभा (2020). *असमिया आरु असमर भाषा-उपभाषा.* ज्योति प्रकाशन, गुवाहाटी, असम, चतुर्थ संस्करण.

बरुवा, रास्ना (2021). *हेउजी पातर काहिनी.* बनलता प्रकाशन, गुवाहाटी, असम, षष्ठम संस्करण.

कुर्मी, सुशील (2021). *निर्यातितार पोरा बीरांगनालोई स्वाधीनता आंदोलनत असमर प्रथम महिला शहीद मंगरी उराँव.* असम टी ट्राइब स्टूडेंट्स यूनियन, शोणितपुर, असम, द्वितीय संस्करण.

(अंग्रेजी)

Grierson, George Abraham (1903). *Linguistic Survey of India.* Office of the Superintendent, Government Printing, Calcutta, India, First Edition.

Sargent, Helen Child & Kittredge, George Lyman (Ed.) (1904). *English and Scottish Popular Ballads.* The University Press, Cambridge, New York, First Edition.

Sapir, Edward (1921). *Language: An Introduction to the Study of Speech.* Harcourt Brace, New York, First Edition.

Groves, Robert (1927). *The English Ballad: A short critical survey.* Ernest Benn Limited, Bouverie House, London, First Edition.

Labov, William (1978). *Sociolinguistics Patterns.* University of Pennsylvania Press, USA, Seventh Edition.

Myers, Doris T. (1983). *Understanding Language.* Boynton/ Cook Publishers, New Jersey, First Edition.

Fasold, Ralph (1987). *The Sociolinguistics of Society.* Basil Blackwell Limited, UK, Second edition.

Huebner, Thom (Ed.) (1996). *Sociolinguistics Perspectives.* Oxford University Press, New York, First Edition.

Hudson, R.A (1996). *Sociolinguistics.* Cambridge University Press, London, Second Edition.

Hymes, Dell (1997). *Foundations in Sociolinguistics.* Tavistock Publications Limited, New York, Second Edition.

Trudgill, Peter (2000). *Sociolinguistics: An Introduction to Language and Society.* Penguin Book, London, Fourth Edition.

Mesthrie, Rajend & Swann, Joan (2001). *Introducing Sociolinguistics.* Edinburgh University Press, UK, Second edition.

Spolsky, Bernard (2003). *Sociolinguistics.* Oxford University Press, New York, Fourth Edition.

Wardhaugh, Ronald (2006). *An Introduction to Sociolinguistics.* Blackwell Publishing, USA, Fifth Edition.

Wardhaugh, Ronald & Janet, M. (2006). *An Introduction to Sociolinguistics.* Willey Blackwell, UK, Seventh Edition.

Stockwell, Peter (2007). *Sociolinguistics.* Routledge Taylor & Francis Group, London, Second Edition.

Holmes, Janet (2008). *An Introduction to Sociolinguistics.* Pearson Education Limited, UK, Third Edition.

Good, Jeff (2008). *Linguistic Universals and Linguistic Change.* Oxford University Press, New York, First Edition.

Sengupta, Sarthak (Ed.) (2009). *The Tea Labourers of North East India.* Mittal Publication, New Delhi, First Edition.

Ball, Martin J. (2010). *The Routledge Book of Sociolinguistics around the World.* RoutledgeTylor & Francis Group, New York, First Edition.

Mesthrie, Rajend (2011). *Sociolinguistics.* Cambridge University Press, London, First Edition.

(पत्रिकाएँ)

काक्णा; अप्रैल 2007; तिनसुकिया जिला कुर्मी क्षत्रिय सभा, तिनसुकिया, असम.

चिराग; दिसंबर 2010; अभ्यर्थना समिति, शिवसागर, असम.

मादल; मई 2012; मादल प्रकाशन, डिब्रूगढ़, असम.

मादल; जुलाई 2012; मादल प्रकाशन, डिब्रूगढ़, असम.

मादल; अगस्त 2012; मादल प्रकाशन, डिब्रूगढ़, असम.

झुमरीया; सितंबर 2012; द्वितीय वाषिक केंद्रीय करम समिति, डिब्रूगढ़, असम.

कारमा; सितंबर 2012; असम टी ट्राइब्स स्टूडेंट एसोसिएशन, डिब्रूगढ़, असम.

मादल; अक्टूबर-नवंबर 2012; मादल प्रकाशन, डिब्रूगढ़, असम.

झर-झर; अक्टूबर 2016; अभ्यर्थना समिति, सोनारी, असम.

अहीरा; अप्रैल 2018; तिनसुकिया जिला कुर्मी समाज, तिनसुकिया, असम.

चंद्रहार; सितंबर 2018; केंद्रीय करम सम्मलेन उद्यापन समिति, डूमडूमा, असम.

इन्द्रप्रस्थ भारती; सितम्बर-अक्टूबर 2018; हिंदी अकादमी, दिल्ली.

डहर; जनवरी 2019; असम चाह जनगोष्ठी साहित्य सभा, जोरहाट, असम.

कलशी; मई 2022; असम कुमार समाज, तिनसुकिया, असम.

वागर्थ; जून 2022; भारतीय भाषा परिषद. कोलकाता.

झुमइर; सितंबर 2022; तिनसुकिया केंद्रीय करम सम्मलेन, तिनसुकिया, असम.

चंद्रहार; सितंबर 2022; केंद्रीय करम सम्मलेन उद्यापन समिति, डूमडूमा, असम.

वेबलियोग्राफी-

www.teaworld.kkhsou.in (दिनांक: 21.10.2019, संध्या: 7.15 बजे)

http://youtu.be/1yAoAekZB60 (दिनांक: 19.02.2020, प्रातः 10 बजे)

http://youtu.be/9Rm40cUbVns (दिनांक: 19.02.2020, प्रातः 10.30 बजे)

https://youtu.be/KJzRGq-zEeU (दिनांक: 16.06.2022, प्रातः 11.32 बजे)

https://youtu.be/_vu2IDdyDI (दिनांक: 12.07.2022, अपराह्न 3.30 बजे)

https://youtu.be/BIUMfRHTt6k (दिनांक: 12.07.2022, संध्या 6.36 बजे)

https://youtu.be/BIUMfRHTt6k (दिनांक: 11.01.2023, रात्रि:10.00 बजे)

https://www.indiacode.nic.in (दिनांक: 19.01.2023, रात्रि:11.50 बजे)

परिशिष्ट

प्रश्नावली

सूचनादाताओं का व्यक्तिगत विवरण:

1. नाम-
2. आयु-
3. लिंग-
4. धर्म-
5. जाति-
6. शिक्षा-
7. पेशा-
8. विवाहित/ अविवाहित-
9. मूल जन्मभूमि-
10. पता

(भाग १)

चाय जनगोष्ठी की अस्मिता और भाषा से संबंधित प्रश्न:

1. आप इन चाय बागानों में कब, कैसे और क्यों आये?
2. आपने अपने पूर्वजों की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति को भी देखा है। क्या आपका रहन-सहन अपने पूर्वजों से बेहतर हो सका है? अगर हाँ तो किन रूपों में और अगर नहीं तो इसका कारण आप क्या मानते हैं?
3. जिस भूमि पर आप खेती करते हैं उसका स्वामित्व किसके पास है?
4. चाय बागान ने आपके जीवन को किन-किन रूपों में प्रभावित किया है?
5. आप आपस में बोलचाल के लिए किस भाषा का प्रयोग करते हैं?
6. क्या आपके पूर्वजों को कभी यहाँ भाषा की विविधता की वजह से तालमेल बैठाने में दिक्कत हुई?

7. इन चाय बागानों में वर्षों से कई जातियों-जनजातियों के लोग इकट्ठे रहते आ रहे हैं। आपकी व्यक्तिगत भिन्नताओं और मान्यताओं की वजह से क्या कभी आपस में समायोजन में कोई कठिनाई आयी?
8. आपके समाज में हो रहे धर्मांतरण पर आपकी क्या राय है?
9. आपके पिता की पीढ़ी अपने मनोरंजन के लिए किन साधनों का प्रयोग करती थी? अगर आपकी स्मृति में इससे संबंधित उल्लेखनीय तथ्य हों।
10. आज से 30 साल पहले का जीवन और वर्तमान समय में आये परिवर्तनों को आप किस रूप में देखते हैं?
11. क्या आप आजीवन इस पेशे से जुड़े रहना चाहते हैं?
12. वर्तमान समय में शिक्षा और व्यवसाय के बदलते परिदृश्य को देखते हुए क्या आप अपनी आगामी पीढ़ी को इस पेशे से जोड़ना चाहेंगे? या आपकी यह चाह होगी कि वह अपने जीवन-यापन के लिए किसी अन्य पेशे का चयन करें।
13. क्या सरकार द्वारा निर्धारित पारिश्रमिक चाय बागान के मज़दूरों के हाथों में यथावत पहुँच पाता है?
14. आपका पारिश्रमिक आपके पास किन माध्यमों से पहुँचता है?
15. एक सामान्य चाय मज़दूर लगभग किस उम्र के बाद इस पेशे से जुड़ने लगता है?
16. चाय बागानों में स्त्रियों की भूमिका पर प्रकाश डालें।
17. आपको प्रदान की जाने वाली सुविधाएँ आपके जीवन-स्तर को बेहतर बना पाने में किस हद तक क़ामयाब हुई हैं?
18. चाय बागान में काम करने वाली एक आम महिला को यहाँ की कार्यशैली की वजह से किन-किन शारीरिक एवं मानसिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है?
19. बागान की महिला श्रमिकों को कौन-कौन सी सुविधाएँ मुहैया करायी जाती हैं? क्या आप उन सुवधाओं से संतुष्ट हैं?
20. सरकार और चाय उद्योग प्रबंधन द्वारा दी जाने वाली आर्थिक एवं सामजिक सुरक्षा के दावों की वास्तविकता क्या है?

21. देश एवं राज्य की वर्तमान राजनीतिक गतिविधियों पर आपकी क्या राय है? वर्तमान राजनीति में आप अपनी भूमिका को किस रूप में देखते हैं?

(भाग २)

चाय जनगोष्ठी की कला एवं संस्कृति से संबंधित प्रश्न:

1. आपके प्रमुख पर्व-त्योहार कौन-कौन से हैं तथा ये किस समय मनाये जाते हैं?
2. इनमें आपका पसंदीदा त्योहार कौन-सा है और क्यों?
3. आप अपने जीवन में इन पर्व-त्योहारों की भूमिका को किस रूप में देखते हैं?
4. आपके समाज में किसी जाति के लिए अलग उत्सव है क्या? यदि हाँ, तो वह किस समय मनाया जाता है और इससे संबंधित क्या-क्या मान्यताएँ प्रचलित हैं?
5. 'करम पूजा' को मनाने के पीछे की मान्यताओं का विश्लेषण करें।
6. 'टूचू पर्व' की महत्ता पर प्रकाश डालें।
7. जब आपके समुदाय में कोई बालक जन्म लेता है तब से लेकर उसके मृत्योपरांत तक मनाये जाने वाले विविध संस्कारों का परिचय दें।
8. विभिन्न संस्कारों से संबंधित प्रत्येक समुदाय के अपने-अपने लोक विश्वास एवं मान्यताएँ होती हैं। इन संस्कारों से संबंधित आपके समुदाय में जो उल्लेखनीय मान्यताएँ एवं विश्वास हों उसके विषय में बताएँ।
9. आपके जीवन में प्रकृति का क्या महत्त्व है?
10. विभिन्न पर्व-त्योहारों में पेड़-पौधों, वृक्षों की भूमिका को स्पष्ट करें।
11. क्या आपके समाज में बलि प्रथा का प्रचलन है? यदि हाँ तो किन-किन अवसरों पर बलि दी जाती है?
12. हर समाज में कुछ अंधविश्वास होते हैं जो सदियों से चले आ रहे होते हैं। आपके समाज के प्रमुख अंधविश्वासों के विषय में बताएँ।
13. कई बार समाज में भूत-प्रेत या डायन जैसी बातें सुनने में आती हैं। आपके अपने जीवन-अनुभव इस विषय में क्या कहते हैं?

14. इन समस्याओं से मुक्ति पाने के लिए क्या किसी पूजा पाठ का सहारा लिया जाता है? अगर हाँ तो उस प्रक्रिया के विषय में कुछ बताएँ।
15. विविध रोग-व्याधियों में किये जाने वाले प्राकृतिक उपचार एवं उसकी प्रविधियों का ब्योरा दें।
16. प्रत्येक समाज में शुभ-अशुभ, शकुन-अपशकुन जैसी मान्यताएँ प्रचलित होती हैं। इस समाज में ऐसी कौन-कौन सी मान्यताएँ हैं जिनसे आप परिचित हैं?
17. आपके दैनिक जीवन में विविध लोक कलाओं की क्या भूमिका है?
18. क्या आपके आस-पास अथवा गाँव में मंदिर, नामघर आदि हैं? यदि हाँ तो वे किस स्थिति में हैं और किस देवी-देवता से संबंधित हैं?
19. यहाँ के लोगों के द्वारा प्रयोग में लाए जाने वाले प्रमुख वाद्ययंत्र कौन-कौन से हैं?
20. दैनिक प्रयोग में लाये जाने वाले औजारों तथा आभूषणों जैसे धातु कलाओं का परिचय दें।
21. मृत्तिका शिल्प की आज के समय में प्रासंगिकता को स्पष्ट करें।
22. आपके समाज में प्रचलित नृत्य कला के विविध रूपों का परिचय दें।
23. 'झुमुर' गीत-नृत्य परंपरा को आप किस रूप में आत्मसात करते हैं?
24. 'कहबर' कला के पीछे की मान्यताओं को उद्घाटित करें।
25. आपके समाज में प्रचलित चित्रकला के विविध नमूनों तथा उनसे जुड़ी मान्यताओं के बारे में बताएँ।
26. आपके जीवन पर असमिया परिवेश, कला और संस्कृति के प्रभावों को आप किन रूपों में देखते हैं?
27. प्रायः ऐसा देखने सुनने में आता है कि तकनीकी और मशीनरी विकास की वजह से कई लोक कलाओं पर विलुप्ति का ख़तरा मंडराने लगा है। यहाँ की ऐसी कौन-कौन सी लोक कलाएँ हैं जो दिनोंदिन विलुप्त होती जा रही हैं या विलुप्त हो गयी हैं?

(भाग ३)

चाय जनगोष्ठी के लोक साहित्य से संबंधित प्रश्न:

1. फ़ुर्सत के समय में आप क्या-क्या देखना-सुनना पसंद करते हैं?
2. अपनी लोकभाषा में रचित कोई गीत जो आपको प्रिय हो?
3. आप अपने मनोरंजन के लिए किन साधनों का प्रयोग करते हैं?

4. इंटरनेट और मोबाइल की सुलभता ने लोक-मनोरंजन के साधनों के चयन बोध को किन-किन रूपों में प्रभावित किया है?
5. साहित्य, संगीत, नाटक आदि की आपके जीवन में क्या भूमिका है?
6. जो लोकगीत आपकी माँ, आपकी दादी शादी-विवाह या अन्य संस्कारों के अवसर पर गाती हैं क्या उसे आप सार्वजनिक जीवन में गाने में हिचक महसूस करते हैं?
7. क्या आपने कभी अपनी लोकभाषा में रचित गीत को गाने से इसलिए परहेज किया है कि आसपास वाले क्या सोचेंगे?
8. क्या आपको कभी अपनी लोकभाषा की वजह से हीनता बोध हुआ है?
9. आपके दैनिक जीवन में संवाद की भाषा और विवाह या अन्य संस्कारों में गाये जाने वाले गीतों की भाषा के विषय में आपकी पहली प्रतिक्रिया क्या होगी?
10. चाय बागानों या खेतों में श्रम के दौरान आप कौन-कौन से गीतों को गाते हैं?
11. प्रकृति और बारहमासा से संबंधित कोई लोकगीत अथवा झुमुर गीत के विषय में बताएँ।
12. कुछ ऐसे गीतों का उदाहरण दें जिनसे आपके जाति-समुदाय की विशिष्ट पहचान उद्घाटित होती हो।
13. विभिन्न व्रतों और संस्कारों में गाए जाने वाले गीतों के विषय में बताएँ।
14. आपको जिन परिस्थितियों में असम लाया गया तथा यहाँ लाये जाने के बाद आपने जिन संघर्षों को झेला उनका वर्णन आपके लोकगीतों में किस प्रकार से है?
15. आपने बचपन से अबतक कई ऐसी कथाओं को सुना-पढ़ा होगा जो आपकी लोकभाषा में रचित हैं उनमें से अगर आपको कोई कथा अभी याद आ रही हो?
16. सृष्टि के निर्माण या ऋतु-परिवर्तन से संबंधित अगर कोई लोक कथा आपकी स्मृति में हो तो उसके बारे में बताएँ।
17. उपदेशात्मक लोक-कथाओं या पंचतंत्र की कहानियों का यहाँ के स्थानीय जीवन में क्या भूमिका है?
18. क्या आपके समाज में व्रत या त्योहार के दौरान किसी लोककथा का वाचन होता है? यदि हाँ तो उसके बारे में बताएँ।
19. जिन कथाओं का आपने ज़िक्र किया वह आप तक कैसे (किस माध्यम) पहुँचीं?

20. आपकी पीढ़ी द्वारा ऐसे कौन-कौन से प्रयास किये जा रहे हैं जिससे ये कथाएँ अगली पीढ़ी तक हस्तांतरित हो सकें?
21. लोक-नाटक का यहाँ के स्थानीय जीवन में क्या महत्त्व है?
22. आपकी लोकभाषा में रचित नाटकों का कौन-सा चरित्र आपको सर्वाधिक प्रभावित करता है?
23. क्या आपने अपने जीवनकाल में किसी नाटक में अभिनय किया है?
24. आपके समाज में यदि कोई लोकनाट्य प्रचलित हो या उसका मंचन होता हो तो उसके बारे में बताएँ।
25. आल्हा-उदल, नल-दमयंती आदि से संबंधित अथवा कोई अन्य प्रेमपरक लोकगाथा (बेलाड) आपके समाज में प्रचलित हो तो उसके बारे में बताएँ।
26. सिदू-कान्हू, बिरसा-मुंडा, मनरी-उडांव आदि वीर सेनानियों से संबंधित कोई लोकगाथा आपके समाज में प्रचलित हो तो उसके बारे में बताएँ।
27. प्रत्येक समाज में कुछ मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ प्रचलित होती हैं जो स्थानीय जीवन के परिवेश, प्रकृति आदि से संबंधित होती हैं, यहाँ के स्थानीय जीवन और परिवेश से संबंधित मुहावरे, लोकोक्तियाँ या पहेलियाँ अगर आपकी स्मृति में हों तो उनके बारे में बताएँ।
28. बच्चों के लालन-पालन से संबंधित गीत अगर आपको याद आ रहे हों तो उनका उल्लेख करें।
29. मंत्रों द्वारा किये जाने वाले उपचार अथवा टोना-टोटका के विषय में बताएँ।
30. क्या वर्तमान युवा पीढ़ी परंपरागत प्राकृतिक उपचार एवं मंत्र द्वारा किये जाने वाले उपचारों के प्रति आस्थावान है या उन पारंपरिक उपचार पद्धतियों पर भरोसा करती है?

[नोट: उपर्युक्त प्रश्नावली को आधार बनाकर संवाद के जरिये स्थानीय भाषा (असमिया, बांग्ला, बागानिया भाषा) में साक्षात्कार लिया गया है।]

प्रमुख तथ्यदाताओं की सूची:

* श्री प्रकाश कुर्मी, तिनसुकिया
* श्री सुरेश घटवार, तिनसुकिया
* श्री लवखन कुर्मी, तिनसुकिया
* श्री निर्मल घटवार, तिनसुकिया
* श्री मकर सिंह भूमिज, तिनसुकिया
* श्री दुलाल मानकी, तिनसुकिया
* श्रीमती मूलेश्वरी कुर्मी, तिनसुकिया
* श्री हरि चंद्र कुर्मी, तिनसुकिया
* श्री त्रिलोक कपूर सिंह, तिनसुकिया
* श्री नगेन कुमार, तिनसुकिया
* श्रीमती कल्याणी खड़िया , तिनसुकिया
* श्री शिबू खड़िया, तिनसुकिया
* श्रीमती रुपाली कुर्मी, तिनसुकिया
* श्री बिष्णु नायक, तिनसुकिया
* श्री बिश्व बाक्ती, तिनसुकिया
* श्री परेश हंसदा, तिनसुकिया
* श्री लाखिंदर कुर्मी, डिब्रूगढ़
* श्री संजीव कोइरी, डिब्रूगढ़
* श्रीमती सुशीला राजबंशी, डिब्रूगढ़
* श्रीमती रीता गोवाला, डिब्रूगढ़
* श्री बिरेन गोवाला, डिब्रूगढ़
* श्री मेटका मुर्मू, डिब्रूगढ़
* श्री संजय मल्लिक, डिब्रूगढ़
* श्री गगन मिर्धा, डिब्रूगढ़
* श्री मनोज पानिका, डिब्रूगढ़
* श्रीमती सोमारी ताँती, डिब्रूगढ़
* श्री बुधवा गोराइत, डिब्रूगढ़
* श्रीमती सारिका गोवाला, डिब्रूगढ़
* श्री दुलेन कुर्मी, डिब्रूगढ़
* श्री लिलेश्वर कुर्मी, डिब्रूगढ़
* श्री दुखेश्वर दास, शिवसागर

* श्री भद्र राजोवार, शिवसागर
* श्रीमती सबीता राजोवार, शिवसागर
* श्री बाबुल ताँती, शिवसागर
* श्रीमती अनीता एल.पी., चराईदेव
* श्री मनमोहन चिक, चराईदेव
* श्री जीतराम ताँती, चराईदेव
* श्री प्रबीन कुर्मी, जोरहाट
* श्री बुलेश्वर तासा, जोरहाट
* श्री सचिन खड़िया, जोरहाट
* श्री माखनलाल बढ़ई, गोलाघाट
* श्री तिलेश्वर घटवार, गोलाघाट
* श्री सोनेश्वर बढ़ई, गोलाघाट
* श्री सुशील कुर्मी, शोणितपुर
* श्रीमती कुसुम कुर्मी , शोणितपुर
* श्रीमती मनोमति कुर्मी, शोणितपुर
* श्री संजय कुमार ताँती, शोणितपुर
* श्री नकुल कुर्मी, शोणितपुर
* श्री मनीष ठाकुर, शोणितपुर
* श्री दौलत राजोवार, शोणितपुर
* श्री मिंटू हेम्ब्रम, शोणितपुर
* श्री लखेश्वर मिर्धा, शोणितपुर
* श्री लक्ष्मी निवास कलवार, हाईलाकांदी
* श्री मैक्सिम सिंहा, कछार...आदि।

प्रकाशन सूची-

(शोध-कार्य के दौरान शोध-पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध-आलेख)

* दास, प्रियंका (2021). *चाय जनगोष्ठी के लोकजीवन में राम*. द्विभाषी राष्ट्रसेवक, अंक 10-12, जनवरी-मार्च 2021, ISSN 2321-4945. (UGC CARE LISTED)
* दास, प्रियंका (2021). *असम की चाय जनगोष्ठी के लोकगीतों में अंतर्निहित व्यथा-वंचना*. अपनी माटी, अंक 37, जुलाई-सितंबर 2021, ISSN 2322-0724. (UGC CARE LISTED - ONLINE)
* दास, प्रियंका और अनुशब्द (2021). असमिया *चाय जनगोष्ठी: अस्तित्व और अस्मिता का प्रश्न*. अक्षरा, अंक 199, अक्टूबर 2021, ISSN 2456-7167. (UGC CARE LISTED)
* दास, प्रियंका (2022). *असम की चाय जनगोष्ठी में स्त्री-जीवन*. भाषा, अंक 301, मार्च-अप्रैल 2022, ISSN 0523-1418. (UGC CARE LISTED)
* दास, प्रियंका (2022). *झुमुर गीतों में प्रेम (असम की चाय जनगोष्ठी के विशेष संदर्भ में)*. समीचीन, अंक 31, अप्रैल-जून 2022, ISSN 2250-2335. (UGC CARE LISTED)

(राष्ट्रीय/ अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध-पत्र प्रस्तुति)

* कॉटन विश्वविद्यालय द्वारा 'भारतीय साहित्य और समाज में स्त्री: अध्ययन के विविध आयाम' विषय पर 28-29सितंबर, 2019को आयोजितराष्ट्रीयसंगोष्ठीमें "विस्थापन, पलायन और शोषण का दंश तथा चाय जनगोष्ठी की महिलाएँ" विषयक शोध-पत्रकी प्रस्तुति।
* डिगबोई महिला महाविद्यालय द्वारा 'Migration, Diaspora and Nation Building: Opportunities and Challenges' विषय पर 1-2 फरवरी, 2020को आयोजितराष्ट्रीयसंगोष्ठीमें "आजजहाँ ख़ामोशी चीत्कारती है: प्रवासी मजदूरों की संघर्ष गाथा" विषयक शोध-पत्रकी प्रस्तुति।

****